



H/O 17/9/84

भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY.

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 511]
No. 511]

नई दिल्ली, बुधवार, अक्टूबर 6, 1988/अश्विन 14, 1910
NEW DELHI, THURSDAY, OCTOBER 6, 1988/ASVINA 14, 1910

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वाणिज्य मंत्रालय

आयात व्यापार नियंत्रण

आदेश सं. 38/88-91

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर, 1988

का.आ. 926(अ):—आयात-निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947
(1947 का 18) के खण्ड-3 द्वारा प्रवृत्त अधिकारों का प्रयोग करते
हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा वाणिज्य मंत्रालय, भारत सरकार की अधि-
सूचना सं. एस. ओ. 344(ई) दिनांक 30 मार्च, 1988 के अन्तर्गत
प्रकाशित खुला सामान्य लाइसेंस सं. 16/1988 दिनांक 30 मार्च 1988
में निम्नलिखित संशोधन करती है, नामः:—

उक्त खुला सामान्य लाइसेंस (जिसे इसके बाद उक्त लाइसेंस कहा
गया है) में, शर्त सं. (13) के बाद निम्नलिखित को जोड़ा जाएगा,
नामः:—

“(13क) सक्जियों/फूलों के बीजों, सजावटी पौधों के बीजों, फूलों के
दृष्य और बल्ब और अनुसूची की मद सं. 15 में सं-
क्षिप्त फूलों की कटिंस, सेपलिंग्स, बडबुडस आदि के मामले
में (क) राज्य सरकार के कृषि/बागवानी विभाग, राज्य
कृषि विश्वविद्यालय और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद

(आई सी ए ग्रार); (ख) बीज का उत्पादन करने वाली
वे भारतीय कम्पनियां/फर्मों जो राष्ट्रीय बीज निगम के पास
पंजीकृत हैं (ग) राष्ट्रीय बीज निगम, राज्य बीज निगम
(घ) खाद्य संसाधन औद्योगिक यूनिट्स; और (ङ) राज्य
सरकारों के कृषि/बागवानी निदेशक के पास पंजीकृत फूलों
और सक्जियों के उत्पादक प्राप्त आयातक होंगे।

(13ख) (1) शर्त (13क) में संबंधित प्राप्त आयातकों द्वारा सक्जियों/फूलों
के बीजों, सजावटी पौधों के बीजों, फूलों के दृष्य और
बल्ब का आयात, पादप, फल एवं बीज (भारत में आयात
करने के लिए विनियमन) आदेश, 1984 (जिसे आगे उक्त
आदेश कहा गया है), के प्रावधानों द्वारा ऐसे संघ रोध
विनियमनों को पूरे करने के बाद नियमित किया जाएगा
जो प्रत्यक्ष निरीक्षण, प्रयोगशाला निरीक्षण और वृद्धि परीक्षण
के उद्देश्य के लिए उक्त आदेश के तहत निर्धारित किए
गए हों। परेषण तब तक बंधित गोदाम में आयातक की
लागत पर रखा जाएगा जब तक संगरोध/सीमाशुल्क निकासी
न दे दी जाए। सक्जियों, फलों/सजावटी पौधों के बीजों,
फूलों के दृष्य और बल्बों की सीमाशुल्क से निकासी आदेश
में उल्लिखितानुसार संगरोध निकासी पत्र की प्राप्ति होने
पर दी जाएगी।

- (2) अगर परेषण को देखने से यह पता चले कि उसमें किसी बीमारी, महामारी या विदेशी बीमारी के गोलकृमि लगे हुए हैं या प्रकट हैं तो सम्पूर्ण परेषण को अस्वीकार कर दिया जाएगा और इसे निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार नष्ट कर दिया जाएगा।

(13B) (1) फूलों की कटिंग्स और सेपलिंग्स के पात्र आयातकों के पास पाषप संरक्षण सलाहकार द्वारा यथा-निर्धारित पोस्ट एन्ट्री क्वारंटाइन सुविधाएं होने चाहिए।

- (2) फूलों के कटिंग्स, सेपलिंग्स, बडवुड आदि के आयात के लिए वास्तविक निरीक्षण एवं प्रयोगशाला निरीक्षण के अतिरिक्त पोस्ट एन्ट्री क्वारंटाइन अनिवार्य होगा। उक्त आदेश द्वारा यथा निर्धारित या उसके अधीन पोस्ट एन्ट्री क्वारंटाइन सुविधाएँ, शर्त (13क) में दिए गए के अनुसार पात्र आयातकों द्वारा स्थापित की जानी होगी।

- (3) सीमाशुल्क प्राधिकारी द्वारा पाषप संरक्षण सलाहकार से क्वारंटाइन निकासी प्राप्त होने पर परेषण की सीमाशुल्क निकासी दी जाएगी।

- (4) फूलों के कटिंग्स, सेपलिंग्स, बडवुड इत्यादि जिनके लिए पी.ई.क्यू. निरीक्षण की आवश्यकता होती है उन्हें पी.ई.क्यू. सुविधा में उगाया जाएगा। पीछे, फल और बीज (भारत में आयात के लिए विनियमन) आदेश, 1984 के अधीन निर्धारित प्राधिकारी द्वारा अनुमोदित किसे जाएँगे। यदि संगरोध/सीमाशुल्क निकासी के उपरान्त उक्त प्राधिकारी निरीक्षण के दौरान यह देखता है कि इसमें कोई विदेशी कीड़ा या बीमारी है तो निर्धारित ढंग से उसी समय सामग्री को नष्ट कर दिया जाएगा।”

2. उक्त लाइसेंस की अनुसूची में, कम सं. 14 के बाद निम्नलिखित को जोड़ा जाएगा, नामशः—

“15 (1) सब्जियों/फूलों के बीज,
मशकटों पीछों के बीज,
फल के ट्यूबर्स और बल्ब्स।

- (2) फूलों के कटिंग्स, सेपलिंग्स,
बडवुड आदि।”

[फाइल सं. आई.पी.सी./45/(19)/1988-91]

राजीव लोचन मिश्र,
मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

टिप्पणी :— मुख्य आदेश एस.ओ. 344(ई) दिनांक 30 मार्च, 1988 के अन्तर्गत प्रकाशित हुआ था।

MINISTRY OF COMMERCE

IMPORT TRADE CONTROL

ORDER NO. 38/88-91

New Delhi, the 6th October, 1988

S.O. 926 (E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Imports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby makes the following amendments in the Open General Licence No. 16/88 dated the 30th March, 1988, published under the notification of the Government of India in the Ministry of Commerce No. S.O. 344(E) dated the 30th March, 1988, namely :—

In the said Open General Licence (hereinafter referred to as the said Licence), after condition number (13), the following shall be added namely :—

“(13A) In the case of seeds of vegetables|flowers seeds of ornamental plants, tubers and bulbs of flowers and cuttings, sapling, budwood, etc. of flowers referred to in item number 15 of the Schedule, the eligible importers shall be (a) Departments of Agricultural|Horticulture of the State Governments, State Agricultural Universities and Indian Council for Agricultural Research (ICAR), (b) Seed producing Indian companies|firms which are registered with the National Seeds Corporation; (c) National Seeds Corporation, State Seeds Corporation; (d) Food Processing Industrial Units; and (e) Growers of flowers and vegetables registered with the Director of Agriculture|Horticulture of the State Governments.

(13B) (i) Import of seeds of vegetables|flowers, seeds of ornamental plants, tubers and bulbs of flowers by the eligible importers referred to in condition (13A) shall be regulated by the provisions of the Plants, Fruits and Seeds (Regulation of Import into India) Order, 1984 (hereinafter referred to as the said Order), after satisfying such quarantine regulations, as prescribed under the said Order for the purpose of visual inspection, laboratory inspection and grow-out tests. The consignment shall be kept in a bonded warehouse at the cost of the importers, until quarantine|customs clearance is given. The customs clearance of vegetables, flowers|ornamental plant seeds, tubers and bulbs of flowers will be given on receipt of quarantine clearance as provided in the said Order.

(ii) In case the consignment shows the presence of manifestation of any disease or pest or nematode of exotic origin, the entire consignment shall be rejected and destroyed in the prescribed manner:

(13C) (i) The eligible importers of cuttings and saplings etc., of flowers should possess post entry quarantine facilities as may be approved by the Plant Protection Adviser.

(ii) For import of cuttings, saplings, budwood etc., of flowers, in addition to visual inspection and laboratory inspection, post entry quarantine shall be essential. The post entry quarantine facilities, as prescribed by or under the said Order shall have to be established by the eligible importers referred to in condition (13A).

(iii) Customs clearance shall be given by the customs authorities to the consignment on receipt of the quarantine clearance from the Plant Protection Adviser.

(iv) Cuttings, saplings, budwood etc., of flowers which require post entry quarantine inspection shall be grown in the post entry quarantine facility approved by the authority prescribed under the Plants, Fruits and Seeds (Regulation of Import into India) Order, 1984. If after quarantine/customs clearance the said authority observes the presence of any exotic pest or disease during post entry quarantine inspection the material shall be forthwith destroyed in the prescribed manner."

2. In the Schedule to the said Licence, after serial number 14 the following shall be added, namely :—

"15 (i) Seeds of vegetables|flowers, seeds of ornamental plants, tubers and bulbs of flowers.

(ii) Cuttings, saplings, budwood etc., of flowers."
[File No. IPC/4/5/(19)/88-91]

R. L. MISRA, Chief Controiler of Imports & Exports

NOTE : The Principal Order was published vide Number S.O. 344(E) dated the 30th March, 1988.

